

MEDIA COVERAGE ON JKLU, 2025, Kamyab Kalam Jaipur, 24 Nov. 2025

जे. के. लक्ष्मीपत विश्वविद्यालय (जेकेएलयू) का 13वां दीक्षांत समारोह, छात्राओं ने जीते 10 में से 9 स्वर्ण पदक



कामयाब कलम, जयपुर

जयपुर स्थित जे. के. लक्ष्मीपत विश्वविद्यालय (जेकेएलयू) के परिसर में एनिवार को 13वां दीक्षांत समारोह आयोजित हुआ, जिसमें कुल 295 छात्रों को इंजीनियरिंग, प्रबंधन और बिजनेस कार्टेजिमी में डिग्री और डिप्लोमा प्रदान किए गए। इस वर्ष छात्राओं ने शानदार उपलब्धि दर्ज की और 10 में से 9 स्वर्ण पदक अपने नाम किए, जिससे शैक्षणिक क्षेत्र में महिला छात्रों को उत्कृष्टता एक बार फिर साबित हुई।

समारोह के मुख्य अतिथि श्री आर. गोपालकृष्णन थे, जो एक प्रसिद्ध लेखक, कॉर्पोरेट सलाहकार और छठ वन्य तिमिड के पूर्व निदेशक रह चुके हैं। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के संस्थापक दिवस के अवसर पर भी आयोजित किया गया, जिसे संस्थापक और प्रसिद्ध उद्योगपति लाल लक्ष्मीपत सिन्घानिया को जवंती पर मन्दा

जाता है।

दीक्षांत समारोह को शुभान्त जेकेएलयू के प्रो-चांसलर श्री हर्ष पति सिन्घानिया के स्वागत संबोधन से हुई, जिसमें उन्होंने सभी विशिष्ट अतिथियों, छात्रों और अध्यापकों का स्वागत किया और जे.के. समूह को 140 वर्षों की उत्कृष्टता और राष्ट्र-निर्माण को निरंतरता को रेखांकित किया। उन्होंने लाल लक्ष्मीपत सिन्घानिया के भाव के औद्योगिक विकास और सामाजिक परिवर्तन में दिए गए महत्वपूर्ण योगदान को भी नमन किया।

अपने संस्थापक दिवस संबोधन में श्री सिन्घानिया ने कहा कि आज का समय बहुत तेजी से बदल रहा है, छात्रों को तकनीक के बगल। ऐसे दौर में सबसे बड़ी बात यह है कि हम सफल पुरुष हैं, 'कौनों को समझने को कोशिश करें और नए अवसरों के बारे में सोचें। असल में शिक्षा का मतलब सिर्फ जानकारी लेना नहीं, बल्कि ऐसा सोच विकसित करना है जिससे हम नई और

मुक्तिकार परिस्थितियों को समझें, जिज्ञासा और जिम्मेदारी के साथ संभल सकें।

उत्तम छात्रों को कहाई देते हुए उन्होंने कहा कि जब आप अपने जीवन के नए सफर पर आगे बढ़ रहे हैं, तो यह याद रखें कि आपने अपने कुछ महत्वपूर्ण साल जे.के. लक्ष्मीपत विश्वविद्यालय में बिताए हैं। इसलिए विश्वविद्यालय से जुड़े रहें, यहां वापस आते रहें, अपने विचार और अनुभव हमारे साथ साझा करें। हम भी आपसे सीखकर आगे बढ़ेंगे। हमें आपके उच्च प्रतिभा और उपलब्धियों का गर्व के साथ ईश्वर धन्यवाद।

इसके बाद कुलपति प्रोफेसर विजयप्रसाद ने संबोधन में वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की और विश्वविद्यालय को वर्षभर की उपलब्धियों को जानकारी दी।

छात्रों को सफलता की शुभकामनाएं देते हुए प्रोफेसर ने संबोधन में कहा, आगे बढ़ें हुए याद रखें कि आपका व्यक्तिगत और



व्यवसायिक जीवन दो अलग यात्राएं नहीं हैं। एक सार्वभौमिक पेरेनर जीवन ही स्थिर व्यक्तिगत जीवन को जीव है। कामकाज को दुनिया के हर तैजी से बदल रही है। आज एआई कोशलों को नए तरीके से परिभाषित कर रहा है और अपने काले समय में कोई और तकनीक ऐसा कर सकती है। एक बात निश्चित है कि विश्वविद्यालय में सीखी गई बातें आपको यात्रा को सिर्फ शुरूआत हैं। आगे जीवन में सफल होने के लिए लगातार सीखते रहना, नई चीजें अपनाता और खुद को अपडेट करके जल्दी होगा। विश्वविद्यालय आपको मजबूत नींव और व्यावहारिक अनुभव देता है, लेकिन वास्तविक शिक्षा तब शुरू होती है जब आप किंपस से बाहर कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि समय के साथ मैंने एक बहुत महत्वपूर्ण बात समझी है, हमारे सीखे हुए कोशल समय के साथ बदल सकते हैं या कम्पलीट पड़ सकते हैं, प्रतिभा भी नष्ट हो सकती है, लेकिन हमारा चरित्र हमेशा

हमारे साथ रहता है। वही हमें पहचान देता है।

उन्होंने छात्रों से कहा कि अगर मैं आपको आगे के जीवन के लिए सिर्फ तीन बातें सीपकर बिच करूँ तो वे होंगी: संवेदनशीलता, जिससे आप परिस्थितियों और लोगों को गहराई से समझ सकें। विनम्रता जो आपको सफलता मिलने पर भी जमीन से जुड़े रहने में मदद करती है। जिज्ञासा जो आपको सीखते रहने, आगे बढ़ते रहने और समय के साथ प्रासंगिक बने रहने को तैकत देती है।

इस वर्ष कुल 295 डिग्री प्रदान की गईं, जिनमें 103 बी.टेक, 94 बीबीए, 49 बीबीएस, 40 बी.बिजनेस, 3 एम.बिजनेस, 5 पीएचडी और 1 पीबी डिप्लोमा शामिल हैं।

स्वर्ण पदक विजेताओं में मनवती जैन, जिन्होंने बी.टेक कंप्यूटर साइंस में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया, और पूर्णा भाटी, जिन्हें सर्वश्रेष्ठ बी.टेक छात्र घोषित किया गया। बीबीए में छुट्टी अयाल तैक रही, जबकि

कनिष्ठा गुप्ता को सर्वश्रेष्ठ बीबीए छात्र का स्वर्ण पदक मिला। बिजनेस कार्यक्रम में श्रुति कुमारी ने इंटरनेट कम्प्यूटेशन में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया, जबकि नाओमिका द्विवेद और वीमिन वीर को सर्वश्रेष्ठ बी.बिजनेस छात्रों के रूप में सम्मानित किया गया। बीबीए में जिता रैय ने तैक किया और उन्हें सर्वश्रेष्ठ छात्र का पदक भी प्रदान किया गया। वहीं अन्य विभागों को बी.टेक कंप्यूटर साइंस के सर्वश्रेष्ठ आउटगोइंग छात्र के लिए डॉ. कनिष्ठा चौधरी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

समारोह में जेकेएलयू के बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट, एकेडमिक कार्डिनल, इंजीनियरिंग, प्रबंधन और बिजनेस संस्थाओं के निदेशक, रजिस्ट्रार एवं सीएफओ सीए के.के. मोहनचंद, तथा परीक्षा नियंत्रक डॉ. उमेश गुप्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रिय गान के साथ हुआ।

2011 में स्थापना के बाद से जे.के. लक्ष्मीपत विश्वविद्यालय (जेकेएलयू) ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खोजनीय पहचान बनाई है। Careers360 ने इसे AAA+ रेटिंग प्रदान की है। इंडिया टूडे को रैंकिंग में जेकेएलयू के इंजीनियरिंग कार्यक्रम को निजी विश्वविद्यालयों में 54वां स्थान, और बीबीए कार्यक्रम को पूरे देश में 70वां स्थान प्राप्त हुआ है। IIRF ने जेकेएलयू को भारत में 64वां और राजस्थान में 9वां स्थान दिया। अंतरराष्ट्रीय Times Higher Education Impact Rankings में विश्वविद्यालय को SDG 8 में गुजरात में प्रथम स्थान और SDG 5 में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस को इस वर्ष प्रतिष्ठित डॉन नोर्मन बिजनेस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।